खबर संक्षेप

बंद मकान में 5 दिनों से तड़प रही थी बुजुर्ग महिला

शहडोल। खाकी का मानवीय चेहरा एक बार फिर शहडोल की पुरानी बस्ती में देवदूत बनकर उभरा। दुर्गा मंदिर के पास एक बंद मकान में पिछले पांच दिनों से जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को कोतवाली पुलिस ने ऐन वक्त पर रेस्क्यू कर नई जिंदगी दी है।

अनहोनी की आशंका और पुलिस का एक्शन- कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि श्रीमती विमला रावत (पति स्व. गणेश रावत) के घर का दरवाजा कई दिनों से अंदर से बंद है और उनकी कोई हलचल सुनाई नहीं दे रही। अनहोनी की आशंका के बीच एफआरव्ही-13 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। हालात की गंभीरता को भांपते हुए पुलिस ने बिना वक्त गंवाए परिजनों और मोहल्ले वासियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ दिया। अंदर का नजारा देख सबकी रूह कांप गई, वृद्ध महिला अत्यंत गंभीर और बेसुध हालत में फर्श पर पड़ी थी।

अपनी गाड़ी में लेकर दौड़ी अस्पताल- एंबुलेंस का इंतजार करने के बजाय पुलिस टीम ने मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की। पुलिसकर्मियों ने अपनी ही एफआरव्ही गाड़ी को लाइफ सपोर्ट बनाया और बुजुर्ग महिला को गोद में उठाकर सीधे जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, यदि थोड़ी भी देरी होती तो परिणाम घातक हो सकते थे। वर्तमान में महिला का इलाज विशेषज्ञों की देखरेख में जारी है।

जितेन्द्र लिटोरिया ने अरुण गौतम की माता को दी श्रद्धांजलि

जयसिंहनगर। खादी ग्रामोद्योग निगम के पूर्व अध्यक्ष एवं शहडोल जिले के पूर्व संगठन मंत्री जितेन्द्र लटोरिया ने पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अरुण गौतम की माता के स्वर्गवास उपरांत उनके निज निवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात आदरणीय जितेन्द्र लटोरिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष जयसिंहनगर रामनारायण पांडेय के निवास पहुंचे, जहां रामनारायण पांडेय द्वारा उन्हें श्रीफल, शॉल एवं गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात करते हुए उन्होंने संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने हेतु कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष सातिका प्रसाद तिवारी, सांसद प्रतिनिधि रावेंद्र शर्मा छोटू,मनोज द्विवेदी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

10 चेहरों पर लौटी मुस्कान, ट्रैक कर बरामद किए गुम हुए मोबाइल

शहडोल। तकनीक के दौर में आम आदमी की धडक़न बन चुके मोबाइल फोन को ढूंढ निकालने में जैतपुर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से अथक प्रयास करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों से गुम हुए 10 कीमती स्मार्टफोन्स को न केवल ट्रैक किया, बल्कि उन्हें बरामद कर उनके असली मालिकों तक सुरक्षित पहुंचाया है।

तकनीकी जाल में फंसे गुमशुदा फोन- थाना जैतपुर में पिछले कुछ समय से मोबाइल गुम होने के दर्जनों आवेदन लंबित थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी और उनकी टीम ने तकनीकी विश्लेषण और साइबर सेल के इनपुट पर काम शुरू किया। पुलिस ने वैज्ञानिक तरीके से इन फोनों को लोकेट किया और अंततः 10 मोबाइल फोन बरामद करने में कामयाबी हासिल की। बरामद किए गए इन स्मार्टफोन्स की कीमत लाखों में बताई जा रही है।

अपना डिजिटल आशियाना पाकर खिले चेहरे- थाना परिसर में आयोजित एक सादे कार्यक्रम के दौरान विधिवत प्रक्रिया पूरी कर सभी 10 आवेदकों को उनके मोबाइल सौंपे गए। महीनों बाद अपना खोया हुआ मोबाइल वापस पाकर आवेदकों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने शहडोल पुलिस की त्वरित कार्यप्रणाली और जैतपुर पुलिस की कर्मठता की मुक्त कंठ से सराहना की।

लापरवाही न बरतें, तुरंत दें सूचना इस सफलता के साथ ही पुलिस ने आमजन को कड़ा संदेश दिया है कि मोबाइल गुम होने या चोरी होने पर उसे मामूली समझकर नजरअंदाज न करें। तत्काल थाने में शिकायत दर्ज कराएं या ऑनलाइन पोर्टल का सहारा लें। पुलिस ने चेतावनी दी है कि किसी का गिरा हुआ मोबाइल उठाकर इस्तेमाल करना भी अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

बिजौरी से हड़हा तक माफिया का कब्जा

खाकी के साये में रेत की डकैती

पुलिसिया मैनेजमेंट से सडक़ों पर दौड़ रहे यमदूत

शहडोल।

जिले में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है और उसकी जगह ले ली है प्यासा सिस्टम ने। यह एक ऐसा तंत्र है जहां नियम-कायदे सूख चुके हैं और अवैध कमाई की प्यास में जिम्मेदार अधिकारी अंधे हो चुके हैं। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से लेकर जिला मुख्यालय की सडक़ों तक, रेत माफिया का तांडव इस कदर हावी है कि अब आम आदमी पूछ रहा है कि शहडोल का मालिक प्रशासन है कि रेत माफिया हैं।

जहां नामों के रसूख पर चलती है खदानें

जिले के बिजौरी और नरवार घाट अवैध उत्खनन की नर्सरी बन चुके हैं। सूत्रों का दावा है कि बिजौरी घाट में राकेश नामक व्यक्ति के नेतृत्व में दिन-रात मशीनों से नदी का सीना छलनी किया जा रहा है। वही नरवार घाट क्षेत्र में पंकू और सोनी जैसे नामों का सिक्का चलता है। इनका नेटवर्क इतना तगड़ा है कि खनिज विभाग की गाडिय़ां निकलने से पहले ही माफिया को खबर मिल जाती है। आखिर ये अभयदान इन्हें दे कौन रहा है।

चेतराम और सोहागपुर के खास सिपाही का खेल!

सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि जिन कंधों पर कानून की रक्षा की जिम्मेदारी है, वही माफिया के मैनेजर बने बैठे हैं। बुढार का हड़हा घाट आज अवैध कारोबार का सबसे बड़ा अड्डा है, जहां आरोप है कि बुढार थाने का चेतराम नामक पुलिसकर्मी पूरे सिस्टम को मैनेज कर रहा है। इसी तरह सोहागपुर थाने से जुड़े एक अन्य पुलिसकर्मी की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। इन्हीं के संरक्षण में रात के अंधेरे से लेकर भोर की पहली किरण तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का काफिला बिना किसी रोक-टोक के निकलता है।

मुख्यालय की सडक़ों पर माफिया का शक्ति प्रदर्शन

बुढ़ार, धनपुरी और शहडोल मुख्यालय की सडक़ों पर बिना रॉयल्टी पर्ची के दौड़ते ओवरलोड ट्रक और ट्रैक्टर इस बात का सबूत हैं कि प्रशासन ने माफिया के आगे घुटने टेक दिए हैं। सरेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, लेकिन न तो पुलिस की चेकिंग दिखती है और न ही खनिज विभाग का दस्ता। ओवरलोडिंग के कारण आए दिन हो रहे हादसे मासूमों की जान ले रहे हैं, मगर माफिया की तिजोरी भरने के चक्कर में प्रशासन ने अपनी आंखों पर पट्टी बांध ली है।

रद्दी की टोकरी में शिकायतें

हैरानी की बात है कि कलेक्टर और एसपी की मेज तक शिकायतों के पुलिंदे पहुंच रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति होती है। निचले स्तर से लेकर ऊपर तक फैला यह मकडज़ाल इतना गहरा है कि जांच शुरू होने से पहले ही रफा-दफा कर दी जाती है। स्थानीय नागरिकों का आक्रोश अब फूटने को तैयार है। उनका कहना है कि जब तक इन कथित संरक्षणदाताओं पर गाज नहीं गिरेगी, तब तक सोन नदी को लूटने से कोई नहीं बचा सकता। शहडोल की जनता अब जवाब चाहती है। यदि समय रहते इन सफेदपोश डकैतों और उनके खाकी वर्दी वाले साझीदारों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह दिन दूर नहीं जब जिले की नदियां केवल किताबों में रह जाएंगी और सडक़ों पर सिर्फ माफिया का राज होगा।

रेलवे डिपो में घुसकर पूर्व सैनिक पर जानलेवा हमला

कानून व्यवस्था के उड़े परखच्चे

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के सुरक्षित माने जाने वाले रेलवे इंजीनियरिंग डिपो में बीती रात जो हुआ, उसने पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी हैं। ड्यूटी पर तैनात एक जाबाज पूर्व सैनिक और वर्तमान रेलवे कर्मचारी प्रह्लाद शर्मा उम्र 57 वर्ष पर दो हेलमेट धारी बाइक सवार बदमाशों ने कायराना हमला किया। बदमाशों ने न केवल उनके साथ बर्बरतापूर्ण मारपीट की, बल्कि चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।

पहरेदारी के बीच खूनी खेल

घटना देर रात करीब 2:30 से 3:00 बजे की है। पीडब्ल्यूआई स्टोर डिपो में मुस्तैदी से अपनी ड्यूटी कर रहे प्रह्लाद शर्मा ने जब डिपो परिसर में अनधिकृत रूप से घुसे बाइक सवारों को टोका और उनका नाम पूछा, तो बदमाशों ने सीधे गुंडागर्दी शुरू कर दी। अपनी पहचान छिपाने के लिए हेलमेट पहने इन अपराधियों ने गाली-गलौज करते हुए 57 वर्षीय कर्मचारी को जमीन पर पटक दिया।

चाकू से तीन वार, लहूलुहान हुआ रक्षक

क्रूरता की हद पार करते हुए एक आरोपी ने चाकू निकाला और प्रह्लाद शर्मा के दाहिने घुटने पर तीन गहरे वार किए। जब उन्होंने चौथे वार को रोकने का प्रयास किया, तो उनका बायां हाथ गंभीर रूप से कट गया। खून से लथपथ पूर्व सैनिक घंटों दर्द से कराहते रहे, जबकि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर आसानी से फरार हो गए।

सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवालिया निशान

रेलवे कॉलोनी जैसे संवेदनशील और सुरक्षित क्षेत्र में इस तरह की सरेआम चाकूबाजी ने आम नागरिकों में खौफ पैदा कर दिया है। सवाल यह उठता है कि क्या रेलवे के सुरक्षित डिपो अब अपराधियों की शरणस्थली बन गए हैं?

कोतवाली में मामला दर्ज, तलाश जारी

घटना की सूचना के बाद घायल कर्मचारी को तत्काल देवांता हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। कोतवाली पुलिस ने धारा 132, 121(1), 110 और 3(5) बीएनएस के तहत मामला तो दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। यदि शहर के बीचों-बीच एक पूर्व सैनिक और सरकारी कर्मचारी सुरक्षित नहीं है, तो आम जनता की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

कठौतिया में काल बनी अंगीठी

धधकते कच्चे मकान में जिंदा जला 19 साल का मासूम

मां की आंखों के सामने बुझ गया घर का चिराग

शहडोल।

जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कठौतिया से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। कड़ाके की ठंड से बचने का जतन एक परिवार के लिए मातम में बदल गया। देर रात एक कच्चे मकान में भडक़ी भीषण आग ने 19 वर्षीय युवक अमित पटेल को जिंदा निगल लिया। इस हृदयविदारक हादसे में एक मां ने अपनी आंखों के सामने अपने जवान बेटे को आग की लपटों में विलीन होते देखा, लेकिन वह बेबस होकर सिर्फ चीखती रह गई।

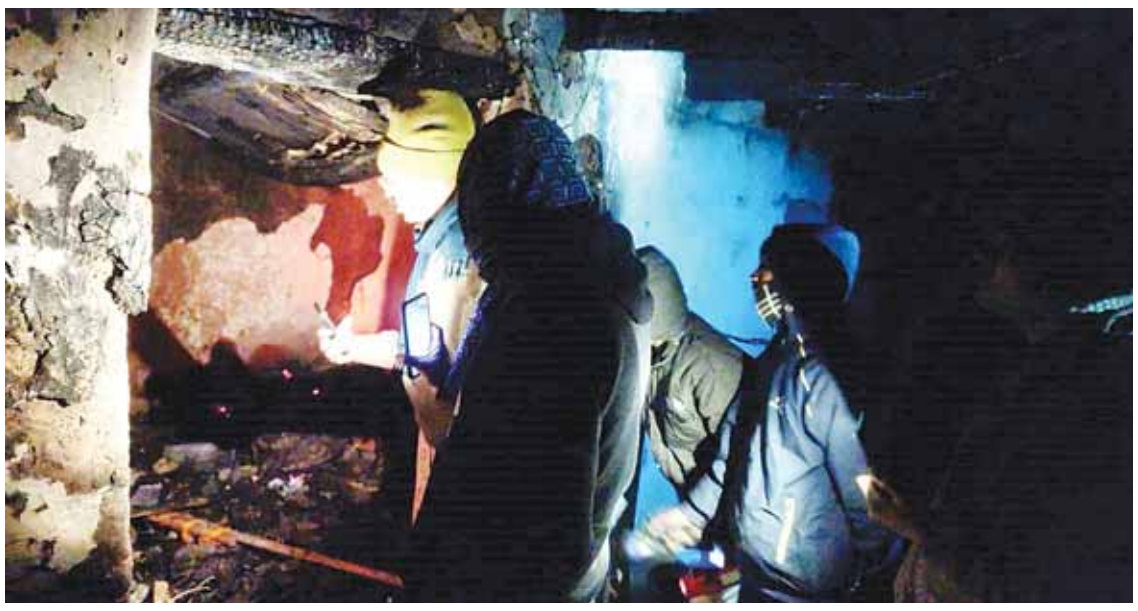

बंद कमरे में तड़पता रहा युवक

हादसा उस वक्त हुआ जब अमित और उसकी मां घर के अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। बताया जा रहा है कि अमित के कमरे में ठंड से बचने के लिए जलाई गई अंगीठी या मोमबत्ती काल का कारण बनी। अचानक भडक़ी लपटों ने खपरैल और लकड़ी से बने कच्चे मकान को पलक झपकते ही आग का गोला बना दिया। जब तक बगल के कमरे में सो रही मां की नींद खुली, पूरा कमरा आग की गिरफ्त में था। मां ने जान जोखिम में डालकर शोर मचाया, ग्रामीण भी दौड़े, लेकिन कमरे से उठती आग की भीषण लपटों और धुएं ने अमित को बाहर निकलने का मौका तक नहीं दिया।

अंधेरे और बदहाली ने छीनी जिंदगी!

इस घटना ने व्यवस्था की बदहाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जानकारी के अनुसार, घर में बिजली का कनेक्शन दो दिन पहले ही काट दिया गया था, जिसके कारण घर अंधेरे में डूबा था। इसी अंधेरे को दूर करने या ठंड भगाने के लिए जलाए गए किसी स्त्रोत ने आग पकड़ ली। बिजली गुल होने और गरीबी की मार ने अंततः एक नौजवान की जिंदगी छीन ली।

मानवीय भूल या मजबूरी

कोतवाली पुलिस का कहना है कि बिजली कनेक्शन कटा होने के कारण शॉर्ट सर्किट की संभावना शून्य है। आशंका जताई जा रही है कि कमरे में जल रही बीड़ी, लालटेन या अंगीठी से उठी एक चिंगारी ने पूरे आशियाने को श्मशान बना दिया। घर में रखा गृहस्थी का तिनका-तिनका जलकर खाक हो गया है।

जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर कोण से मामले की तफ्तीश कर रही है कि आखिर आग लगने की असली वजह क्या थी। यह दर्दनाक हादसा उन तमाम लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो बंद कमरों में अंगीठी या आग जलाकर सोते हैं। आपकी एक छोटी सी लापरवाही पूरे परिवार को उम्र भर का गम दे सकती है।

100 रुपये के लिए टावर पर चढ़ा युवक पुलिस ने दिखाई गांधीगिरी तो उतरा नीचे

धनपुरी।

थाना क्षेत्र में उस वक्त सांसे थम गईं, जब एक युवक फिल्मी अंदाज में मोबाइल टावर के शिखर पर जा बैठा। शोले फिल्म के क्लाइमेक्स की याद दिलाने वाला यह वाकया विलीयस नंबर-1 इलाके का है, जहां महज 100 रुपये के लिए 30 वर्षीय युवक गोलू ने मौत की छलांग लगाने की धमकी देकर पुलिस और पब्लिक के पसीने छुड़ा दिए।

100 रुपये की खातिर जिंदगी दांव पर

जानकारी के मुताबिक, गोलू नामक यह युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। उसने किसी से 100 रुपये की मांग की थी, जिसे ठुकराए जाने पर उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आवेश में आकर गोलू घर के पास

स्थित ऊंचे मोबाइल टावर के अंतिम छोर तक चढ़ गया। नीचे खड़े लोग दहशत में थे और ऊपर से युवक मौत का अल्टीमेटम दे रहा था।

थाना प्रभारी की स्मार्ट पुलिसिंग से टला हादसा

घटना की गंभीरता को देखते हुए धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। जब बल प्रयोग का दांव उल्टा पड़ता दिखा, तो थाना प्रभारी ने सूझबूझ और गांधीगिरी का परिचय दिया। उन्होंने नीचे से ही गोलू को पुचकारा और उसे 100 रुपये देने का वादा किया। पुलिस के इस मानवीय और मनोवैज्ञानिक व्यवहार ने काम किया और करीब एक घंटे के हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद युवक सुरक्षित नीचे उतर आया। सुरक्षित नीचे उतरते ही पुलिस ने राहत की सांस ली और युवक को समझा-बुझाकर परिजनों के सुपुर्द किया। भले ही यह मामला सुखद अंत पर खत्म हुआ, लेकिन इसने इलाके में घंटों तक अफरा-तफरी का माहौल बनाए रखा।

शहडोल के जयस्तम्भ चौक पर आक्रोश का उपवास

कांग्रेस ने सरकार को घेरा, मंत्री विजयवर्गीय के इस्तीफे की गूंज

शहडोल।

प्रदेश की भाजपा सरकार की कथित संवेदनहीनता और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल ने जयस्तम्भ चौक पर मोर्चा खोल दिया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने एक दिवसीय मौन उपवास रख सरकार के खिलाफ जोरदार हल्ला बोला। 11 से 4 बजे तक चले इस प्रदर्शन में कांग्रेस ने साफ कर दिया कि वे भाजपा की नाम बदलने वाली राजनीति और प्रशासनिक लापरवाही को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

जनता की मौत पर अहंकार का जवाब

विरोध प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 15 निर्दोषों की जान चली गई, लेकिन सरकार के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय पत्रकारों के सवालों पर अशोभनीय भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि अहंकारी बयानबाजी करने वाले मंत्री कैलाश विजयवर्गीय तत्काल इस्तीफा दें। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर हत्या की एफआईआर दर्ज हो। मृतकों के परिजनों को न्याय और उचित मुआवजा दिया जाए।

गांधी के नाम से नफरत क्यों?

अजय अवस्थी ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से नफरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास अपनी कोई मौलिक योजना नहीं है, इसलिए वे कांग्रेस काल की मनरेगा जैसी ऐतिहासिक योजना का नाम बदलकर केवल श्रेय लूटना चाहते हैं। श्री अवस्थी ने दहाड़ते हुए कहा नाम बदलना सिर्फ एक बहाना है, असल मंशा गरीबों के काम के कानूनी अधिकार को खत्म करना है। यह गांधी जी के विचारों और संवैधानिक कल्याण गारंटी पर सीधा हमला है।

मुद्दों से ध्यान भटकाने की राजनीति

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की बदहाली से जनता का ध्यान भटकाने के लिए सरकार नाम बदलने के हथकंडे अपना रही है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपनी जनविरोधी नीतियां नहीं बदलीं और मनरेगा के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ बंद नहीं की, तो यह आंदोलन जयस्तम्भ चौक से निकलकर गांव-गांव तक पहुंचेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में वरिष्ठ कांग्रेसी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने भाजपा सरकार को जवाबदेही तय करने की खुली चुनौती दी।

ग्राम पुटपुरा मे मिला मादा बाघ का शव

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया ने बताया कि निजी राजस्व क्षेत्र, ग्राम पुटपुरा, घटना स्थल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफऱ के बीट पिपरिया के कक्ष क्रमांक पीएफ 112 से लगभग 700 मीटर दूर मादा बाघ का शव मिला है । जिसकी उम्र 4 से 5 वर्ष है । बाघ मृत्यु की सूचना मिलते ही विभागीय अमले द्वारा तुरंत स्थल पर पहुँचकर मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) के तहत आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की गई। संभावित मृत्यु का कारण सोलर फेंसिंग में उलझने से लगातार विद्युत प्रवाह बताया जा रहा है। उन्होने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया तथा वन्यप्राणी अपराध नियंत्रण ब्यूरो एवं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के निर्देशानुसार एस ओ पी अनुसार प्रक्रियाएँ शुरू की गईं। मृत बाघ का पंचनामा तैयार कर स्थल संरक्षण किया गया।डॉग स्क्वाड से शव तथा स्थल की जांच कराई गई साथ ही मेटल डिटेक्टर से शव की जांच की गई।सक्षम वन्य चिकित्सको की उपस्थिति में विस्तृत पोस्टमॉर्टम परीक्षण किया गया। नमूना संकलन विधिवत किया गया, जिसे परीक्षण हेतु अधिकृत प्रयोगशाला प्रेषित किया जाएगा।आवश्यक कार्यवाही उपरांत शवदाह की कार्यवाही की गई।

खबर संक्षेप

खबर का हुआ असर लीकेज पानी टंकी का कराया जायेगा सुधार

कोतमा। शासन के द्वारा वर्ष 2016-17 में नगर पालिका क्षेत्र में नल जल योजना के तहत 19 करोड़ की लागत से राशि स्वीकृत की गई थी। योजना में केवई नदी के पास फिल्टर प्लांट नगर में पेयजल के लिए पाइप लाइन के विस्तार सहित पानी टंकी का निर्माण कार्य करवाया गया था। चंद्रा प्राइवेट निर्माण कंपनी के ठेकेदार के द्वारा मनमर्जी पूर्वक कार्य करते हुए गुणवत्ता विहीन पानी टंकी का निर्माण कार्य करवाया गया जिसके कारण पानी टंकी लीकेज हो रही है। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, सीएमओ प्रदीप झारिया ने इसे गंभीरता से लेते हुए चंद्रा निर्माण कंपनी को तत्काल टंकी के लीकेज के सुधार कार्य के निर्देश दिए। बता दें कि नगर के वार्ड क्रमांक 7 एलआईसी ऑफिस के पीछे चौधरी मोहल्ले मे बनी पानी की टंकी जगह-जगह से लीकेज होने के कारण आसपास कच्चे घरों में रहने वाले लोगों को 24 घंटे दहशत के साये में जीवन व्यतीत करना पड़ रहा है। आसपास निवास करने वाले लोगों ने बताया कि 24 घंटे टंकी से पानी रिसता है और पाइप लाइन से भी जिसके कारण उनके कच्चे घरों की दीवारों में पानी आ जाता है और उन्हें यह अंदेशा बना रहता है कि कहीं उनका कच्चा घर धराशाई ना हो जाए किसी दिन पानी की टंकी गिर ना जाए और कोई बड़ी दुर्घटना घटित न हो जाए।

नगर के लोगों को जाम की समस्या से कब निजात मिलेगी

कोतमा। आखिर नगर के लोगों को जाम की समस्या से कब निजात मिलेगी यह अब हर जुबान पर चर्चा का विषय बना हुआ है। नगर के वार्ड क्रमांक 4 मुक्ति धाम के पास थोक सब्जी दुकानदारों के द्वारा प्रतिदिन सब्जी खाली करवाने एवं लोड करवाने के लिए सड़क पर ही छोटे वहां से लेकर बड़े वाहन खड़े करवा दिए जाते हैं। सुबह 8:00 बजे से 11:00 तक सड़क पर ही वाहनों के खड़े रहने के कारण दोनों ओर से आने वाले वाहनों की लंबी कतार लग जाती है जिसके कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है लोग घंटो जाम में फंसकर स्थानीय प्रशासन को कोसते नजर आते हैं। शुक्रवार को सुबह 10:00 के लगभग थोक सब्जी दुकानदारों के द्वारा सब्जी खाली करवाने के लिए एक बड़े वाहन को सड़क पर ही खड़ा करवा दिया गया और दूसरी ओर छोटे वाहन खड़े हो गए सड़क के बीच में दो पहिया मोटरसाइकिल खड़ी हो गई जिसके कारण घंटो आवागमन बाधित हो गया। नागरिक प्रतिदिन जाम की समस्या से जूझ रहे हैं कभी-कभी तो स्थितियां हो जाती है कि एंबुलेंस में गंभीर मरीज को अस्पताल ले जाने के लिए भी जाम की समस्या से दो-चार होना पड़ता है नागरिकों ने स्थानीय प्रशासन से प्रतिदिन बना रहे जान की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

खेलो एमपी यूथ गेम्स का विधायक बांधवगढ़ ने किया शुभारंभ

अच्छे खेल का प्रदर्शन कर जिला एवं प्रदेश का नाम रोशन करें: विधायक

खेल शारीरिक एवं मानसिक विकास का शसक्त माध्यमः कलेक्टर

उमरिया। विधायक बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र शिवनारायण सिंह ने स्टेडियम में खेलो एमपी यूथ गेम्स का शुभारंभ करते हुए कहा कि जिले के तीनो विकासखंडो में आयोजित प्रतियोगिता के बाद जिला स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित कि जा रही हैं। खिलाड़ी अनुशासन एवं खेल भावना के साथ आयोजित होने वाले खेलो में भाग लें तथा अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए संभाग,राज्य,राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक परचम लहराएं।उन्होने कहा कि जिस खेल मे आपकी रूचि है, उसे पूरे मनायोग के साथ खेलें। खेल के साथ साथ अपनी पढाई पर भी ध्यान दें ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि खेल खेलने से जहां एक ओर शारीरिक विकास होता है वहीं दूसरी और बौध्दिक विकास भी होता है। उन्होने कहा कि विकासखंड स्तर पर आयोजित खेलो के बाद चयनित टीमों का खेल जिला स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं। जिला स्तर पर चयनित टीमे संभाग स्तर पर अपने खेल का जौहर दिखाते हुए राज्य स्तर तक पहुंचेगी । लक्ष्य को प्राप्त करने स्वस्थ रहना आवश्यक है साथ ही स्वस्थ रहने के लिए खेलना आवश्यक है ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि पाली, मानपुर तथा करकेली विकासखंड में आयोजित 18 प्रकार की खेल विधाओ में खिलाडियो ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया,जिसके बाद चयनित खिलाडियो की जिला स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो रही है।उन्होने खिलाडियो को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए खेल का जौहर दिखाने की बात कही। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीता राम सत्या ने कार्यक्रम का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि जिले के करकेली, पाली तथा मानपुर विकासखंड में आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स प्रतियोगिता के लिए आनलाइन तथा आफलाइन 1000 बच्चों ने अपना पंजीयन कराया जिसमें 500 शामिल हो रहे हैं। उन्होने बताया कि कृष्णताल उमरिया में फुटबाल, क्रिकेट, शासकीय सज्जन उत्कृष्ट विद्यालय उमरिया में शतरंज, शासकीय कॉलरी स्कूल में बास्केट बाल, रघुवीर खेल प्रसार में बैटमिंटन तथा कबड्डी, खोखो एवं एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित हुई है । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथियों ने मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण करके किया।इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, जिला शिक्षा अधिकारी आर एस मरावी, सीएमओ नगर पालिका उमरिया किशन सिंह, आसुतोष अग्रवाल सहित खिलाडी एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। आयोजित खेल प्रतियोगिताओ में बास्केटवाल मे पाली विकासखंड , रस्साकसी मे करकेली विकासखंड, बालिका कबडडी मे करकेली विजेता, पाली उपविजेता, कबड्डी बालक में मानपुर विजेता, पाली उप विजेता, करकेली तीसरे स्थान पर, किक्रेट में उमरिया विजेता, पाली उप विजेता, खो खो बालक में करकेली विजेता, पाली उप विजेता , मानपुर तीसरे स्थान पर, बालिका वर्ग में मानपुर विजेता , पाली उप विजेता तथा करकेली तीसरे स्थन पर रही। समापन अवसर पर खेल मे विजयी रहे खिलाडियो को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कृष्णा झारिया ने किया।

बड़ी जीत के साथ दिल्ली सेफा में रीवा को 83 रनों से रौंदा

बुढार । नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा क्वार्टर फाइनल लालबहादुर शास्त्री क्रिकेट अकादमी दिल्ली और रीवा के बीच खेला गया, मैच में दिल्ली की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए रीवा पर 83 रनों से जीत दर्ज ।आज के मैच में टॉस के दौरान अतिथियों के तौर पर बुढार के नगर निरीक्षक विनय सिंह गहरवार , भाजपा के जिला उपाध्यक्ष राकेश पांडे ,बकहो मंडल के भाजपा अध्यक्ष धर्मेंद्र दुबे रहे जिन्होंने खिलाडि़यों से परिचय प्राप्त किया एवं टॉस की औपचारिकताएं पूरी की।

टॉस जीतकर रीवा ने चुना क्षेत्ररक्षण, जमकर लुटाए रन

मैच का टॉस रीवा ने जीता और रीवा के कप्तान ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया , गेंदबाजी का यह निर्णय तब गलत साबित हुआ जब के लिए तब उपयोगी हुआ जब मैच के शुरुआती ओवरों में ही दिल्ली के बल्लेबाजों ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी जारी की , बल्लेबाजों का यह अंदाज पारी के अन्तिम ओवरों तक जारी रहा , और टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकटों के नुकसान पर 251 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया । दिल्ली की ओर से बल्लेबाज अनन्तवीर शानदार अर्धशतक लगाते हुए 68 रन बनाए , बल्लेबाज अर्णव बुग्गा ने 41 एवं प्रियांशु यादव ने 34 रन बनाए , रीवा की ओर से गेंदबाज देव गौतम ने 2 विकेट लिए।

शुरुआत से ही डगमगाई रीवा की नैया

252 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी रीवा की टीम शुरुआती झटकों से नहीं उबर पाई,दिल्ली की टीम की धारदार गेंदबाजी की वजह से रीवा की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकटों पर 168 ही बना पाई और इस मैच को 83 रनों से गंवा दिया, रीवा की ओर से बल्लेबाज हर्षित और देव गौतम ही कुछ देर तक संघर्ष कर सके जिन्होंने क्रमश 49 और 48 रन बनाए , दिल्ली की ओर से कुमार विनायक ने 3 और अर्णव बुग्गा ने 2 विकेट लिए । दिल्ली टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले अर्णव बुग्गा को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हें राजन द्विवेदी ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज दिल्ली टीम के प्रायोजक अशोक चतुर्वेदी एवं जितेंद्र सिंह (जित्तू)रहे जबकि रीवा टीम के प्रायोजक हिमांशु खंडेलवाल एवं गौरव खंडेलवाल रहे। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और नृपेंद्र सिंह ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद , अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया। मैच के स्कोरिंग का दायित्व मो. याहया एवं राहुल दुबे ने संभाला । पिच क्यूरेटिंग का जिम्मा अमृतांशु मिश्रा और साहिल ताम्रकार ने संभाला।

ये हैं आयोजन समिति के सदस्य

इस पूरे आयोजन समिति के प्रमुख बुढार के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष कैलाश विशनानी तथा सदस्यों के रूप में अनिल सोनी श्रीनिवास द्विवेदी, पवन नियर्सेस, अवधेश पांडे (पिंटू) , राजीव त्रिपाठी , राकेश त्रिपाठी , महेंद्र त्रिपाठी , योगेंद्र सिंह इत्यादि प्रमुख हैं ।

आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर जमुना कॉलरी में हिंदू सम्मेलन

सनातन धर्म की एकता और गौरव के लिए अजय ताराचंद यादव की अपील

बदरा/जमुना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कोयलांचल क्षेत्र में सनातन चेतना को मजबूत करने के उद्देश्य से हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जमुना कॉलरी क्षेत्र में हिंदू सम्मेलन को लेकर सनातनी समाज में उत्साह और जागरूकता का माहौल बना हुआ है। आयोजन समिति के अनुसार 22 जनवरी गुरुवार को जमुना कॉलरी स्थित राम जानकी मंदिर, स्टाफ दुर्गा पंडाल में प्रातः 10 बजे से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत "ॐ धर्मो रक्षति रक्षितः के उद्घोष के साथ होगी। सम्मेलन के अंतर्गत भव्य शोभायात्रा, विशिष्ट वक्ताओं द्वारा ओजस्वी उद्बोधन तथा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और राष्ट्र चेतना का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद पसान के उपाध्यक्ष अजय ताराचंद यादव ने समस्त सनातनी हिंदू समाज से अपील करते हुए कहा कि आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होना पूरे हिंदू समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचकर सनातन धर्म की एकता, शक्ति और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित करने का आह्वान किया। आयोजन समिति ने बताया कि कार्यक्रम के समापन पर विशेष आकर्षण के रूप में श्री राम भंडारा (महाप्रसाद) का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही आयोजकों ने जानकारी दी कि 28 जनवरी को रामलीला मैदान, कोतमा कॉलरी भालूमाडा में हिंदू समाज का एकत्रीकरण किया जाएगा। यहां से हिंदू रैली निकाली जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरेगी। रैली के माध्यम से सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों ने सभी हिंदू भाइयों-बहनों से समय पर पहुंचकर अनुशासन के साथ कार्यक्रमों को सफल बनाने की अपील की है। यह बृहद आयोजन जमुना-कोतमा क्षेत्र सहित पूरे कोयलांचल में सनातन चेतना, सामाजिक एकता और राष्ट्रभाव की एक सशक्त पहचान स्थापित करेगा।

विज्ञान के नाम पर तमाशा, मोबाइल साइंस प्रदर्शनी बनी आदिवासी बच्चों से खुला छल

मॉडल बंद, अधिकारी गायब, कैमरा देखते ही भागे कर्मी

बदरा/जमुना। विज्ञान को बच्चों तक पहुँचाने के सरकारी दावों की पोल बदरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विद्या निकेतन में आयोजित मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी ने खोलकर रख दी दो दिनों तक चली यह प्रदर्शनी विज्ञान शिक्षा का माध्यम बनने के बजाय पूरी तरह से खानापूर्ति और दिखावे का उदाहरण साबित हुई।

पहले दिनः न विज्ञान, न उत्साह

प्रदर्शनी के पहले दिन स्थल पर केवल 15-20 बच्चे ही मौजूद थे न तो किसी तरह की वैज्ञानिक जिज्ञासा दिखाई दी और न ही सीखने जैसा वातावरण बना प्रदर्शनी में तैनात कर्मी द्वारा बच्चों को रटा-रटाया पाठ पढ़ाया गया किसी भी मॉडल को प्रयोगात्मक रूप से चलाकर नहीं दिखाया गया, न प्रश्न-उत्तर सत्र हुआ और न ही संवादात्मक गतिविधियाँ कराई गईं। "ऊर्जा के रूप", "विद्युत ऊर्जा", "ध्वनि को देखें", "एसी-डीसी करंट" और "ऊर्जा स्थानांतरण एवं संरक्षण" जैसे महत्वपूर्ण विषयों के मॉडल लगाए तो गए, लेकिन अधिकांश मॉडल या तो बंद पड़े थे या सिर्फ देखने की वस्तु बनकर रह गए पुराने और जर्जर उपकरण बच्चों में वैज्ञानिक सोच पैदा करने में पूरी तरह नाकाम रहे।

दूसरा दिनः हालात और भी बदतर

दूसरे दिन जब संवाददाता दोबारा मौके पर पहुँचे, तो स्थिति और चिंताजनक मिली बच्चों से जब पूछा गया कि उन्होंने क्या सीखा, तो कोई भी बच्चा कुछ बताने की स्थिति में नहीं था कई बच्चों ने साफ कहा कि उन्हें कुछ भी समझ नहीं आया। कैमरा देखते ही तैनात कर्मी बयान देने से बचते नजर

आए और यह कहते हुए वहां से हट गए कि "ऊपर से बोलने का आदेश नहीं है। प्रिंसिपल से मिलने का बहाना बनाकर वे मौके से निकल गए। विद्यालय के प्राचार्य से जब सवाल किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि "यह आयोजन हमारे विभाग से संबंधित नहीं है, इस पर हम क्या कह सकते हैं हमारे यहां तो खुद जिला स्तरीय परीक्षा चल रही है हम उसमें व्यस्त हैं।

"सब चालू है" का दावा भी झूठा

तैनात कर्मी ने दावा किया कि सभी इंस्ट्रूमेंट चालू हालत में हैं, लेकिन उसी समय वहां मौजूद एक छात्र ने साफ कहा "सर, इंस्ट्रूमेंट बंद हैं" जब उन्हें चालू करने का प्रयास किया गया, तो उपकरण चला ही नहीं और उनका जवाब भी बंद हो गया यह दृश्य पूरी प्रदर्शनी की सच्चाई बयां करने के लिए काफी था।

विभागीय जिम्मेदारी पूरी तरह गायब

जानकारी के अनुसार इस प्रदर्शनी का आयोजन जनजाति कार्य विभाग द्वारा किया जाना बताया गया, लेकिन दो दिनों तक चले कार्यक्रम में विभाग का कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था न निरीक्षण हुआ, न मार्गदर्शन और न ही निगरानी पहले ऐसे आयोजनों का संचालन राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भी किया जाता रहा है, लेकिन बदरा की यह प्रदर्शनी भी कागजी औपचारिकता बनकर रह गई।

लाखों खर्च, नतीजा शून्य

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार विज्ञान शिक्षा के नाम पर लाखों रुपये खर्च कर रही है, ताकि आदिवासी और ग्रामीण बच्चों को वैज्ञानिक ज्ञान मिल सके, तो फिर ऐसे कार्यक्रमों में उन्हें क्यों ठगा जा रहा है? न गुणवत्ता है, न जवाबदेही और न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी।

सख्त कार्रवाई की मांग

स्थानीय अभिभावकों और नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदार अधिकारियों और एजेंसियों पर कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को वास्तव में प्रयोगात्मक और उपयोगी बनाने की मांग की है। यदि समय रहते सुधार नहीं हुआ, तो विज्ञान प्रदर्शनी के नाम पर यह तमाशा यूं ही चलता रहेगा और बच्चों का भविष्य फाइलों और झूठी रिपोर्टों में दबता रहेगा।

जनजातीय कार्य मंत्री के मुख्य आतिथ्य में अनुभूति कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पतौर परिक्षेत्र अंतर्गत बमेरा तिराहा कैंप पर अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश के जन जातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह के मुख्य आतिथ्य में किया गया । अनुभूति कार्यक्रम में छात्र एवं छात्रों को अनुभूति कराई गई। अनुभूति कार्यक्रम में जन जातीय कल्याण विभाग मंत्री ने छात्र-छात्राओं को ज्ञान रूपी प्रकाश से अनुभूति का वास्तविक अर्थ का अनुभव कराया।उन्होंने बच्चों को पेड़ो का महत्व बताते हुए कहा कि हमारे जीवन बहुत मायने रखते हैं,उन्होंने कहा कि बरगद का पेड़ कभी नहीं मरता है इस वृक्ष मे बहुत से पक्षियों का आवास होता है यह हमें छाया , फल , पानी ,ऑक्सीजन इत्यादि प्रदाय करते हैं इसके आगे तितलियां एवं मधुमक्खियां का परिस्थिति तंत्र में क्या महत्व है, के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई । क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व डॉ अनुपम सहाय द्वारा बच्चों को अनुभूति के

विषय मे , वन एवं वन्य प्राणियों तथा पर्यावरण के संरक्षण के विषय में बताया गया । सहायक आयुक्त जन जातीय कार्य विभाग पूजा द्विवेदी द्वारा अनुभूति कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अच्छे इंसान बनने और अच्छे कार्य करने कि बात कही गई ।

इस अवसर पर पक्षी दर्शन कराया गया, बी ईटर, मोर , वायर टेल्ड स्वैलो, ग्रीन पीजन पौंड ,कौवा, तोता प्रत्यक्ष दिखाया गया । साल, गुर्जा, पकरी सेझी, साजा, सलाई, तेंदू, पलाश, अमलतास, नीलगिरी, महुआ,धवा,रोहन,बेरीं आदि पेड़ों की पहचान व उपयोग करना सिखाया गया।दीमक के घर की संरचना, पर्यावरण मे उपयोग के बारे में बताया गया। चीतल सांभर हनुमान लंगूर, आदि वन्य प्राणियों का प्रत्यक्ष दर्शन कराया,बाघ एवं हाथी का पगमार्क व विस्ठा दिखाया गया। अनुभूति थीम सॉन्ग हम हैं धरती के दूत सुनाया जिस पर बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया । तितली मधुमक्खियां के प्रकृति के लिए महत्व के बारे में बताया गया। सांपों का महत्व, विषैले सर्पो की पहचान करना और स्नेक बाइट होने पर स्नेक बाइट मैनेजमेंट के बारे में बताया गया।बाघ तेंदुआ हाथी भालू अन्य वन प्राणियों के व्यवहार और उनसे बचाव के बारे में चर्चा की गई ।मैं कौन हूं खेल के माध्यम से सभी वन्य प्राणियों का परिचय कराया गया साथ ही फीडबैक फॉर्म भराया गया और शपथ कराई गई।क्विज के माध्यम से बच्चों में नई रोचक जानकारी प्रस्तुत की गई।बच्चों की रुचि अनुसार शिक्षाप्रद नृत्य और गायन कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्र एवं छात्राओं को अनुभूति की शपथ दिलाई गए ।

इस अवसर पर भूरा गायकवाड़ सहायक संचालक पनपथा,वन परिक्षेत्र पतौर सुश्री अंजू वर्मा,वन परिक्षेत्र पनपथा कोर ,प्रेरक चंद्रमोहन खरे,कमलेश नंदा,नितिन बर्मन द्वारा बच्चों को अनुभूति ट्रेल व कार्यक्रम स्थल मे रोचक शिक्षाप्रद जानकारी देने के साथ साथ प्रकृति की अनुभूति करायी गयी।

खबर संक्षेप

19 से 22 जनवरी तक घंटाघर मार्ग रहेगा डायवर्ट

कटनी। नगर निगम उपायुक्त शैलेष गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जगन्नाथ चैक से घंटाघर तक मार्ग निर्माण कार्य को दृष्टिगत रखते हुए यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए 19 जनवरी से 22 जनवरी तक उक्त मार्ग से वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। इस दौरान नागरिकों के आवागमन की सुविधा हेतु मार्ग का डायवर्सन किया गया है। उपायुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि उक्त तिथियों के बीच नागरिक गण अपने वाहनों को घंटाघर जुलूस मार्ग से होते हुए एवं जगन्नाथ चैक से आदर्श कालोनी के मार्ग से आवागमन कर सकते है। मार्ग निर्माण कार्य के चलते नागरिकों को होने वाली असुविधा के लिए उपायुक्त श्री गुप्ता ने खेद व्यक्त किया गया है।

अपराधी को 3 माह तक थाना में उपस्थित होने के दिए निर्देश

कटनी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी आशीष तिवारी ने बरही निवासी संतोष गुप्ता पिता स्व. हीरालाल गुप्ता 64 वर्ष के विरूद्ध मध्यबप्रदेश राज्यव सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए आगामी 3 माह की अवधि तक प्रतिमाह की 1 और 16 तारीख को पुलिस थाना बरही में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टनर श्री तिवारी ने यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक से प्राप्तर प्रतिवेदन के आधार पर की है। संतोष गुप्ता के विरूद्ध वर्ष 2007 से अब तक बरही थाना में कुल 6 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध है। जिनमें गाली-गलौज करना, मारपीट करना और जान से मारने की धमकी देना जैसे अपराध शामिल है। पुलिस द्वारा संतोष के विरूद्ध अब तक 6 बार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। परंतु, आदतन अपराधी के आचरण-व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। संतोष द्वारा आपराधिक गतिविधियां निरंतर जारी रखने, आम जन के लिए आतंक का पर्याय बनने के कारण क्षेत्र में शांति एवं सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़नें वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री तिवारी ने मप्र राज्यृ सुरक्षा अधिनियम के तहत आदतन अपराधी के प्रवृत्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए आगामी 3 माह तक पुलिस थाना बरही में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

जिल के हर विकास खंड में घूमेंगे कृषि रथ

कटनी। शासन द्वारा वर्ष 2026 को ₹कृषि वर्ष₹ के रूप में मनाया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में कृषि एवं संबंध विषयों जैसे पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्यपालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिक तकनीकी की जानकारी कृषकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जायद, खरीफ एवं रबी फसलों की बुवाई के एक माह पूर्व (वर्ष में प्रति सीजन एक माह) प्रत्येक विकासखण्ड में एक कृषि रथ चलाया जायेगा। अभियान अंतर्गत जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, मृदा स्वास्थ कार्ड, आईएनएम/आईपीएम, फसल विविधिकरण, ई- विकास प्रणाली, पराली प्रबंधन, विभागों की प्रमुख योजनाओं, कृषि की उन्नत एवं नवीन तकनीकों तथा नवाचारो की जानकारी कार्यक्रम स्थल पर तकनीकी दल में सम्मलित कृषि वैज्ञानिकों एवं विभिन्न विभागीय शासकीय सेवको द्वारा कृषकों को दी जायेगी।

श्रीमति रूकमणी सोनी का दुखद निधन

कटनी। नगर के प्रतिष्ठित कवि सुरेश सोनी की धर्मपत्नी तथा मीडिया कर्मी आशीष सोनी की माता श्रीमती रुकमणी सोनी का निधन हो गया। शुक्रवार को दोपहर में नदीपार स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम यात्रा उनके बरगवां स्थित निवास से प्रारंभ हुई, जिसमें समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए। अंतिम संस्कार के दौरान जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, मीडिया कर्मी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

धनपुरी ओसीएम की ड्रग लाइन मशीन

सोहागपुर एरिया के खनन इतिहास की जीवंत धरोहर चार दशक तक ओवी हटाने की रीढ़ रही, दो वर्षों से खड़ी

सुरक्षा में रोज 6 मैन पावर तैनात

एसईसीएल के सोहागपुर एरिया अंतर्गत धनपुरी ओपन कास्ट माइन (ओसीएम) को वर्ष 1985 में खनन तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि मिली थी, जब यहां विशालकाय ड्रग लाइन मशीन की स्थापना की गई। यह मशीन एसईसीएल की उन गिनी-चुनी खदानों में शामिल रही, जहां ड्रग लाइन तकनीक का दीर्घकाल तक सफल उपयोग किया गया।

धनपुरी।

ड्रग लाइन मशीन अपने आकार और संरचना के कारण अन्य खनन मशीनों से अलग होती है। यह मशीन खदान में एक ही स्थान पर स्थायी रूप से स्थापित रहती है और इसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित नहीं किया जा सकता। धनपुरी ओसीएम में यह मशीन लगभग 40 वर्षों तक ओवरबर्डन (ओवी) हटाने का प्रमुख साधन बनी रही।तकनीकी विशेषताएँ बनीं पहचानड्रग लाइन मशीन की कार्यक्षमता भी उल्लेखनीय रही। यह मशीन एक बार में करीब 20 टन ओवी मिट्टी उठाकर लगभग 90 मीटर दूर तक फेंकने की क्षमता रखती थी। इसी क्षमता के कारण धनपुरी ओसीएम में बड़े पैमाने पर उत्पादन संभव हो सका।'ड्रग लाइन 2019' के नाम से जानी जाती रहीधनपुरी ओसीएम की यह मशीन खदान में अपनी पहचान के रूप में "ड्रग लाइन 2019" के नाम से जानी जाती रही और लंबे समय तक सोहागपुर एरिया के औद्योगिक विकास का अहम हिस्सा बनी रही।दो वर्षों से संचालन में नहीं, फिर भी निरंतर सुरक्षाकालरी श्रमिकों के अनुसार, मशीन में तकनीकी समस्या आने के बाद आवश्यक पार्ट्स मंगवाकर मरम्मत की गई थी और उसे पुनः चालू भी किया गया। इसके बावजूद पिछले लगभग दो वर्षों से ड्रग लाइन मशीन संचालन में नहीं है।जानकारी के अनुसार, मशीन की सुरक्षा और देखरेख के लिए प्रतिदिन तीनों शिफ्टों में कुल 6 मैनपावर की तैनाती की जा रही है। इससे हर माह लाखों रुपये केवल सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर खर्च हो रहे हैं।अब म्यूजियम में होगी संरक्षितइस संबंध में सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक श्री बी.के. जेना, अमलाई ओसीएम उपक्षेत्रीय प्रबंधक पी रवन्ना से औपचारिक चर्चा में बताया गया कि ड्रग लाइन मशीन का सर्वे ऑफ किया जा चुका है तथा इसे म्यूजियम में संरक्षित करने की योजना है। इससे खनन क्षेत्र में प्रयुक्त ऐतिहासिक मशीनों को सुरक्षित रखा जा सकेगा।करीब चार दशकों तक धनपुरी ओसीएम की सेवा करने वाली यह ड्रग लाइन मशीन अब संचालन से बाहर है, लेकिन आज भी इसकी सुरक्षा और देखरेख जारी है। आने वाले समय में म्यूजियम में स्थापित होने के बाद यह मशीन सोहागपुर एरिया के खनन इतिहास की एक महत्वपूर्ण धरोहर के रूप में जानी जाएगी।

जेंडर कैंपेन "नई चेतना 4.0" अंतर्गत स्वास्थ्य शिविरों का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिले में जेंडर कैंपेन ''नई चेतना 4.0'' अंतर्गत स्व सहायता समूह से जुड़ी दीदियों के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके तहत महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से हौसलों की उड़ान कार्यक्रम अंतर्गत 13 से 15 जनवरी तक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन शशांक प्रताप सिंह ने बताया कि आम तौर पर महिलायें विभिन्न जिम्मेदारियों के चलते अपने स्वास्थ्य एवं पोषण के प्रति लापरवाह हो जाती हैं और कमजोरी, एनीमिया, कुपोषण एवं थकान आदि से पीड़ति हो जाती हैं, जिसे सामान्य मान लिया जाता है, इसका कारण है जानकारी, जांच और पोषण तक सीमित पहुंच। ऐसे मे महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विकासखंड अनूपपुर में ग्राम बदरा एवं परासी, विकासखंड जैतहरी में जैतहरी एवं सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र, डाइट भवन अनूपपुर, विकासखंड कोतमा में आजीविका भवन कोतमा एवं संकल्प, संकुल स्तरीय कार्यालय बिजुरी तथा पुष्पराजगढ़ विकासखंड में करपा एवं स्व सहायता समूह भवन राजेंद्रग्राम में किया गया। जिसमें स्व सहायता समूह की दीदियों, बच्चों एवं अन्य लोगों ने लाभ लिया। स्वास्थ्य शिविरों में मुख्य रूप से मधुमेह, रक्तचाप, एनीमिया, टायफाईड, सामान्य बुखार, पेट दर्द, शरीर दर्द, एचबी, महिलाओं से संबंधित अन्य बीमारियों आदि की जांच की गयी एवं निःशुल्क दवाईयां प्रदान की गयीं। उक्त आयोजन को सफल बनाने में विकासखंड अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ के स्वास्थ्य अमले सहित राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विकासखंड स्तरीय स्टाफ एवं स्व सहायता समूह से जुड़ी दीदियों का विशेष योगदान रहा।

जिले की बहनों के खातों में 35 करोड़ की राशि की गई अंतरित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम से लाड़ली बहना योजना के तहत कटनी जिले की 2 लाख 38 हजार 947 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 32वीं किस्त के तौर पर 35 करोड 4 लाख 76 हजार 300 रूपये की राशि का अंतरण किया।

नगर निगम ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष सुनीता मेहरा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा और जिला पंचायत सीईओ हरसिमरन प्रीत कौर सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। यहां उपस्थित हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के संबोधन के सीधे प्रसारण को देखा और सुना। जिले की सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों, ग्राम पंचायतों, नगरीय निकायों में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कटनी जिले की जनपद पंचायत बड़वारा की 39 हजार 312 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 78 लाख 86 हजार 800 रूपये अंतरित किये गए। इसी तरह जनपद पंचायत बहोरीबंद की 40 हजार 100 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 88 लाख 13 हजार 400 रूपये, जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा की 37 हजार 177 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 45 लाख 31 हजार 100 रूपये, जनपद पंचायत कटनी की 27 हजार 696 पात्र महिलाओं के खाते में 4 करोड 4 लाख 45 हजार 400 रूपये, जनपद पंचायत रीठी की 25 हजार 770 पात्र महिलाओं के खाते में 3 करोड 78 लाख 83 हजार 600 रूपये, जनपद पंचायत विजयराघवगढ़ की 34 हजार 800 पात्र महिलाओं के खाते में 5 करोड 11 लाख 96 हजार 400 रूपये अंतरित किये।

हरिदास ब्रजधाम में सात दिवसीय बसंतोत्सव पर्व आज से, भक्ति कार्यक्रमों का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

ग्राम पंचायत स्लीमनाबाद के आश्रित ग्राम कोहका में स्थित हरिदास ब्रजधाम मंदिर मे सात दिवसीय बसन्तोत्सव पर्व का आगाज आज यानि शनिवार से होगा। सात दिनों तक विविध प्रकार के भक्तिमय कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।हरिदास ब्रजधाम मैं भक्तो का तांता बड़ी संख्या मे मत्था टेकने पहुचेंगे।बसंतोत्सव पर्व का आगाज शनिवार को भव्य कलश शोभायात्रा के साथ होगा। इस अवसर पर सात दिनों तक संगीतमय भागवत कथा आयोजित की जाएगी।कथा का वाचन पंडित रमाकांत पौराणिक के मुखारविंद से किया जाएगा।

कथा वाचक पंडित रमाकांत पौराणिक ने बताया कि 23 जनवरी को बसंतपंचमी के पावन अवसर पर बसन्तोत्सव पर्व मनाया जाएगा। दिनभर धार्मिक आयोजन और मध्यरात्रि मैं विश्व कल्याण की कामना को लेकर धर्म ध्वजा अर्पित करते हुए प्रातःकाल हरिदास जी महाराज की सखियों के द्वारा रासलीला की जाएगी।अपनी मन्नतो को लेकर भक्त वैसे तो प्रतिदिन मंदिर पहुँचते है लेकिन बसंत पंचमी के अवसर पर दूसरे राज्यो से भी लोग पहुँचते है।स्लीमनाबाद नगर स्थापित करने मे मंदिर का अहम योगदान-मंदिर के पुजारी गुलाब यादव ने बताया कि यह मंदिर 500 वर्षो पुराना है। जब हमारा भारत देश पराधीन था और अग्रेजो का गुलाम था।तब सन 1820 मैं बिट्रिश गर्वनर कर्नल विलियम हैनरी स्लीमैन स्लीमनाबाद आये जो जबलपुर मैं कमिश्नर का कार्यभार सँभाल रहे थे। कर्नल स्लीमनाबाद के कोई संतान नही थी ।उन्हें जानकारी लगी और कर्नल ने हरिदास मंदिर मे आकर अपनी मन्नत की।कुछ समय बाद कर्नल स्लीमैन को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई।तब कर्नल स्लीमैन ने 96 एकड़ जमीन गोविंद मालगुजार से खरीदकर अपने नामकरण पर स्लीमनाबाद नगर बसाया ।

आज भी कर्नल स्लीमैन के वंशज सालभर मैं एक बार इंग्लैंड से मंदिर दर्शन करने आते है।आज भी स्लीमैन का स्मारक एसडीओपी कार्यालय स्लीमनाबाद में बना हुआ है। वही जबलपुर कमिश्नर कार्यालय में मंदिर का इतिहास काल है जिससे कोई भी कमिश्नर जबलपुर पदस्थ हो वह मंदिर जरूर आता है। हरिदास जी महाराज के इस धार्मिक उत्सव पर दूरदराज से भक्तो का तांता उमड़ता है।

महाविद्यालय में सेवा सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित

राष्ट्र के निर्माण मे युवाओं की होती है अहम भूमिका, इसलिए उठो जागो और चल पड़ो

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय स्लीमनाबाद मैस्वामी विवेकानंद जयंती युवा दिवस के उपलक्ष्य मै यूथ रेडक्रास के अंतर्गत रेड रिबन क्लब द्वारा सेवा सप्ताह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्राचार्या डॉ सरिता पांडेय ने कहा कि युवाओं मै असीम शक्ति होती है, परन्तु आज आवश्यकता इस बात की है कि युवाओं के अंदर शक्ति का जो अनंत स्नोत है उसे जाग्रत किया जाये उन्हें सही दिशा प्रदान की जाये ताकि वे अपनी शक्ति रचनात्मक कार्यों में नियोजित कर सके।वे समझे कि राष्ट्र निर्माण ही सर्वोपरि धर्म है। स्वामी विवेकानंद का विश्व विख्यात व्याख्यान 'उठो जागो ओर चल पडो 'भारत वर्ष मै युवा शक्ति की आध्यात्मिक ओर सृजनात्मक शक्ति को जाग्रत करने के संदर्भ मै ही था। आज का युवा दिग्भ्रमित है उसके पास असीम शक्ति है परन्तु कही न कही संकल्प शक्ति ओर सही प्रेरणास्रोत का अभाव खटकता है। आचार्य चाणक्य ने एक सामान्य बालक चन्द्रगुप्त को सम्राट बना दिया। यह एक आदर्श स्थिति थी,जिस पर हमें गर्व होना चाहिए ओर उससे हमें सीख लेनी चाहिए। हमारी युवा शक्ति नेता जी सुभाषचंद्र बोस व शहीद भगत सिंह जैसी हो, इन लोगों ने राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि धर्म माना। उनमे समर्पण, त्याग ओर बलिदान की भावना कूट -कूट कर भरी थी इसलिए आज के परिवेश में अभिभावकों समेत शिक्षकों का उत्तरदायित्व भी बढ़ गया है कि वे बच्चों को सुसंस्कारित करें। उन्हें बताये कि उन्हें परिवार के साथ -साथ समाजोत्थान की बात भी सोचनी चाहिए जिस दिन बच्चों को यह नैतिक बोध हो गया कि उन्हें देश व समाज के लिए कुछ करना है तों यह निश्चित माने कि बात बनते देर नहीं लगेगी। अपने प्राणो की परवाह किये बिना देश की रक्षा मे शहीद होने वाले युवा ही होते है।

रेड रिबन क्लब प्रभारी डॉ राजेश कुशवाहा ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन, विचारों एवं राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान पर आधरित निबंध, वाद-विवाद व भाषण प्रतियोगिता आयोजित हुई साथ ही पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता से स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का संदेश दिया गया। नशामुक्ति के लिए छात्रों के द्वारा जनजागरूकता रैली निकाली गईं। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ प्रीत नेगी ने किया।

खाद वितरण में पारदर्शिता के लिए ई-विकास प्रणाली लागू

खाद के लिए किसान भाई अब घर बैठे बुक कर सकेंगे ई-टोकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

किसानों की सुविधा के लिए उर्वरक वितरण ई-विकास प्रणाली लागू की गई है। इस नई व्यवस्था के तहत अब किसानों को खाद (उर्वरक) प्राप्त करने के लिए लंबी कतारों में नहीं लगना होगा और मोबाईल व कियोस्क सेंटर के माध्यम से वे अपना ई-टोकन प्राप्त कर सकेंगे।

ई-विकास प्रणाली में ई-टोकन प्राप्त करने हेतु किसान ई-विकास प्रणाली पोर्टल etoken.mpkrishi.org पर अपने आधार नंबर और मोबाइल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर पंजीकरण कर

सकते हैं। पंजीयन होते ही पोर्टल में स्वतः ही 'AgriStack' के माध्यम से किसान की भूमि की जानकारी प्रदर्शित हो जायेगी। कृषकों को प्रदर्शित भूमि की जानकारी के अनुसार खसरा अनुसार बोई गई फसलों की जानकारी स्वयं ही दर्ज करनी होगी। भूमि के रकबे एवं दर्ज की गई फसल की जानकारी के आधार पर पोर्टल स्वतः ही वैज्ञानिक अनुशंसा अनुसार उर्वरक की गणना कर किसान को आवश्यक कुल उर्वरक की मात्रा प्रदर्शित हो जायेगी।

प्रदर्शित उर्वरक की मात्रा अनुसार किसान अपनी सुविधा अनुसार नजदीकी खाद विक्रय केंद्र (जिला विपणन केन्द्र, मार्केटिंग सोसाइटी, सहकारी समितियों, एमपी एग्रो या निजी विक्रेता) का चयन कर डिजिटल ई-टोकन जनरेट कर सकेंगे। किसान यह भी चयन करेंगे कि वे सहकारी समिति के सदस्य है कि नहीं। यदि वे सहकारी समिति के सदस्य है तो वे सहकारी समितियों का विकल्प चयन कर ई-टोकन प्राप्त कर सकेगें। जबकि, सहकारी समिति के सदस्य न होने की दशा में नहीं का चयन कर अन्य नगद उर्वरक विक्रेताओं (जिला विपणन केन्द्र, मार्केटिंग सोसाइटी, एमपी एग्रो या निजी विक्रेता) का चयन कर ई-टोकन जनरेट कर सकेगें।

ई-टोकन जनरेट होने के बाद किसान को निर्धारित तिथि से 3 दिन (अवकाश दिवसों को छोड़कर) के भीतर खाद उठाना अनिवार्य है। 3 दिन उपरांत खाद न लेने पर ई-टोकन स्वतः निरस्त हो जाएगा एवं किसान पुनः ई-टोकन जनरेट कर खाद प्राप्त कर सकेगें। पात्रता अनुसार एक किसान एक माह में अधिकतम 50 बोरी उर्वरक प्राप्त कर सकता है। दोबारा खाद की आवश्यकता होने पर 30 दिन के अंतराल के बाद ही अगला टोकन बुक किया जा सकेगा। जिन किसानों (ट्रस्ट, पट्टा या सिकमी एवं अन्य) पंजीकरण करने के बाद भी भूमि की जानकारी का डेटा पोर्टल पर नहीं दिख रहा है, वे कृषक पोर्टल पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से अपनी खसरा अनुसार जानकारी दर्ज करेगें। इसका सत्यापन संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) द्वारा किया जावेगा। तत्पश्चात कृषक अपना टोकन जनरेट कर सकेगें।

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर ट्राली जप्त

ढीमरखेड़ा। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया और एसडीओपी श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में और टीआई ढीमरखेड़ा अभिषेक चौबे के नेतृत्व में चौकी प्रभारी सिलौडी उनि अनिल पांडे ने बाजार भ्रमण के दौरान एक न्यू महिंद्रा टैक्टर ट्राली में अवैध रेत परिवहन कर चालक नरेंद्र चौधरी निवासी पाली के द्वारा ले जाते हुए पकड़ा गया। रेत के संबंध में चालक द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया जो सिलोंड़ी पुलिस द्वारा अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली चालक से जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने मौके पर ही ट्रैक्टर-ट्राली जप्त कर उसे चौकी परिसर में खड़ा कराया। प्रकरण में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के संबंध में खनिज अधिनियम व संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

खबर संक्षेप

नर्मदा महोत्सव की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने शुक्रवार को अमरकंटक में आयोजित होने वाले नर्मदा महोत्सव की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नर्मदा महोत्सव में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। 24 एवं 25 जनवरी को नर्मदा महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें शोभायात्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। बैठक में कलेक्टर ने अमरकंटक के साफ-सफाई, महाआरती, कन्या पूजन, कन्या भोज आदि कार्यक्रम के तैयारी संबंधी चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने महोत्सव के दौरान आवागमन, पार्किंग, स्वास्थ्य आदि व्यवस्थाओं के संबंध में भी विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट, अध्यक्ष नगर पालिका अमरकंटक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी चैन सिंह परस्ते, पुजारीगण, संतगण, आमजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रजहाधाम हनुमान मन्दिर में आज होगा हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

अनूपपूर। जिला मुख्यालय स्थित पुरानी बस्ती के रजहाधाम हनुमान मन्दिर मे आज 18 जनवरी दिन रविवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिले के सभी नगरों, गाँव मे बस्ती स्तर पर जनवरी, फरवरी 2026 मे हिन्दू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समितियों द्वारा विभिन्न बस्तियों मे तैयारी बैठकें की जा रही हैं। हिन्दू सम्मेलन आयोजन की दृष्टि से अनूपपुर नगर को चार बस्तियों मे वर्गीकृत किया गया है। इन चार बस्तियों मे चार अलग-अलग दिन हिन्दू सम्मेलन आयोजित होगें। प्रथम हिन्दू सम्मेलन रजहाधाम श्री हनुमान मन्दिर पुरानी बस्ती मे 18 जनवरी, रविवार को दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। बूढी माई मन्दिर परिसर मे बस्ती के सर्व हिन्दू समाज के लोग एकत्रित होंगे। यहाँ माई की पूजा अर्चना उपरांत भजन, कीर्तन करते हुए लोग शोभायात्रा निकाल कर दोपहर रजहाधाम श्री हनुमान मन्दिर पहुंचेगें। यहाँ हनुमत लला के पूजन उपरांत मन्दिर परिसर के समीप हिन्दू सम्मेलन का मंचीय कार्यक्रम होगा। जिसे समाज के दो प्रबुद्ध गणमान्य संबोधित करेंगे। इसके पश्चात सामाजिक समरसता प्रसाद भण्डारा मे लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे। 22 जनवरी को शंकर मन्दिर चौक मे हरिओम ताम्रकार के बाडा में नगर का दूसरा हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जबकि 24 जनवरी, शनिवार को सरस्वती शिशु मन्दिर पटौराटोला मे और 31 जनवरी शनिवार को सामतपुर शिव मारुति मन्दिर परिसर के समीप हिन्दू सम्मेलन आयोजित किये जाएगें। सर्व हिन्दू सम्मेलन मे शामिल होने के लिये नगर मे आयोजक मण्डल के लोग घर-घर जाकर लोगों को आमंत्रित कर रहे हैं। सभी लोगों से कार्यक्रम मे शामिल होने का आग्रह करते हुए उन्हे आमंत्रित किया जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से कार्यकर्ताओं की टोली चेतनानगर, शांतिनगर, गणेश बस्ती, पुरानी बस्ती और बाजार क्षेत्र मे घर घर सम्पर्क कर के लोगों को हिन्दू सम्मेलन की जानकारी दे रहे हैं। जिले मे आयोजित किये जा रहे इन शांतिपूर्ण, अनुशासित सर्व हिन्दू सम्मेलनों का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि जातिवाद के विरुद्ध अलख जगाते हुए हिन्दू सम्मेलन मे सामाजिक समरसता भोज के लिये प्रत्येक घर से एक-एक मुट्ठी अनाज, सब्जी या अन्य सहयोग एकत्रित किया जा रहा है। सभी जातियों के परिवारों से सहयोग स्वरूप अनाज एकत्रित करके उससे बने भोजन को प्रसाद स्वरुप सभी लोग एक साथ ग्रहण करेगें। इससे जातीय विद्वेष खत्म होगा और समाज मे एकजुटता आएगी। सर्व हिन्दू समाज आयोजन समिति ने हिन्दू सनातनी भाई-बहनों से बडी संख्या मे लोगो के साथ कार्यक्रम मे शामिल होने की अपील करते हुए बतलाया कि नगर मे शोभायात्रा मे रामधुन, भजन-कीर्तन के साथ आध्यात्मिक और सामाजिक सद्भाव के साथ शोभा यात्रा निकाली जाएगी।

परिवहन विभाग ने तय मानकों से हटकर संचालित स्लीपर बसों पर कसा शिकंजा

7 स्लीपर बसों के वाहन स्वामियों को नोटिस जारी

चेकिंग के दौरान निर्धारित मापदंड नहीं मिले तो निरस्त होगा वाहन का पंजीयन

अनूपपुर जिले के जिला परिवहन कार्यालय में वर्तमान में सात स्लीपर बस पंजीकृत है। सभी स्लीपर बसो के बाड़ी निर्माण को लेकर मध्यप्रदेश परिवहन विभाग ने शिकंजा कसना प्रारंभ कर दिया है। भारत में स्लीपर बसों के लगातार हादसों के बाद अब परिवहन विभाग उन बसों पर कार्रवाई करेगा जो तय मानकों से हटकर संचालित हो रही हैं।

हरिभूमि न्यूज अनूपपूर/राजनगर।

विवेक शर्मा परिवहन आयुक्त ग्वालियर ने सभी बस संचालकों को तीन दिन में वाहनों का परीक्षण करवाने के निर्देश दिए हैं। बसों के चेसिस आकार और मानकों से हटकर अतिरिक्त निर्माण कर चेचिस एक्सटेंशन पर मोडीफाई कर प्रदेश में संचालित की जा रही बसों के संचालकों को परिवहन विभाग ने इनमें सुधार करवाने के लिए तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। प्रदेश के सभी आरटीओ कार्यालय में बस मालिक इन बसों को लाकर इनका परीक्षण कर मानकों के अनुसार इन्हें परिवर्तित करवा सकेंगे। इसके बाद पूरे मध्यप्रदेश में लगातार स्लीपर, डीलक्स, एसी सहित अन्य सभी बसों की जांच के लिए प्रदेशव्यापी अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान यदि बसें निर्धारित आकार से बड़ी, अग्निशमन सुरक्षा यंत्रों के बिना और तय मापदंडों के विपरीत चलती पाई जाएंगी तो उन सभी बसों का फिटनेस, पंजीयन निरस्त किया जाएगा। परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल 4 पर इन्हें ब्लैक लिस्ट किया जाएगा और भविष्य में इनके पंजीयन, परमिट, बीमा, पीयूसी, फिटनेस जैसे कोई भी काम नहीं हो सकेंगे। परिवहन आयुक्त विवेक शर्मा ने मध्यप्रदेश के सभी स्लीपर बस मालिकों को निर्देशित किया है कि वे सभी तीन दिन में संबंधित क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय और जिला परिवहन कार्यालय आरटीओ कार्यालय में जाकर अपने वाहनों का परीक्षण करवा लें अन्यथा उनके वाहनों को नाट टू बी ट्रांजेक्टेड घोषित कर दिया जाएगा। उन वाहनों का निरीक्षण होने तक परिवहन विभाग की सेवाओं से उन्हें वंचित रहना पड़ेगा। उनका कहना है, कि पिछले कुछ समय से देशभर में स्लीपर बसों में आग लगने की घटनाएं हुई है। जिनमें कई व्यक्तियों की जलने से मौत हुई है। स्लीपर बसों के द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप अग्नि सुरक्षा संबंधित प्रावधानों का अक्षरशः पालन कराना सुनिश्चित कराने के लिए परिवहन विभाग द्वारा एक सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

10 किग्रा का अग्निशमन यंत्र जरूरी

विवेक शर्मा परिवहन आयुक्त ने मध्यप्रदेश के सभी जिलों के आरटीओ को निर्देशित किया गया है कि प्रदेशभर में चल रही सभी स्लीपर और अन्य बसों की चैकिंग करवाएं। चैकिंग के दौरान ड्राइवर कंडक्टर पार्टिशन और स्लाइडर लगे मिले तो उन्हें हटवाएं। बसों में निर्धारित मानकों के अनुसार अग्निशमन की व्यवस्था अनिवार्य रुप से उपलब्ध होना चाहिए। इसकी भी जांच करें। न्यूनतम दस किलोग्राम का अग्निशमन यंत्र बसों में लगा होना चाहिए। निर्धारित ले आउट के अनुसार बसों में सीट और स्लीपर लगे हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। जो बसें चेसिस एक्सटेंशन पर बनी हुई मिले। जिन बस मालिकों ने बसों की लंबाई बढ़ाकर निर्धारित सीटों से अधिक सीटों का निर्माण कर रखा हो। जिन बसों में इंट्रेस और एक्जिट गेट अलग-अलग न हो। आपात द्वार बसों में नहीं हो। निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया जा रहा हो उन बसों का फिटनेस और पंजीयन निरस्त किया जाए।

स्लीपर बसों की जांच के बाद दिया जायेगा समय

आरटीओ कार्यालय में अब तीन दिनों तक लगातार बसों की जांच की जाएगी। यहां जो बसें निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं मिलेंगी उन्हें सुधार के लिए समय दिया जाएगा। बिना सुधार किए बसों का संचालन नहीं किया जा सकेगा। इसके बाद परिवहन विभाग के द्वारा जांच अभियान चलाया जाएगा। इसमें यदि बसों में मानकों का उल्लंघन कर अतिरिक्त निर्माण पाया जाएगा। सुरक्षा मानकों का पालन नहीं मिलेगा तो उन्हें वाहन 4 पोर्टल पर ही ब्लैक लिस्टेड कर दिया जाएगा। ऐसी बसों का परमिट, पंजीयन नवीनीकरण, फिटनेस सहित अन्य कार्य नहीं किए जाएंगे।

इनका कहना है

अनूपपुर जिला परिवहन कार्यालय में पंजीकृत 7 स्लीपर बसों के वाहन स्वामियों को नोटिस जारी कर दिया गया है, स्लीपर बसों के भौतिक सत्यापन पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सुरेंद्र सिंह गौतम
जिला परिवहन अधिकारी, अनूपपुर

मौनी अमावस्या पर विशेष लेख

माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। शास्त्रों के अनुसार माघ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। इस वर्ष मौनी अमावस्या 18 जनवरी रविवार को मनाई जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस अमावस्या को मौनी कहे जाने के पीछे यह विश्वास है कि इसी तिथि को मनु ऋषि का जन्म हुआ था। 'मनु' शब्द से ही कालांतर में यह तिथि मौनी अमावस्या के नाम से प्रसिद्ध हुई। सनातन धर्म में यह तिथि अत्यंत फलदायी मानी गई है। मान्यता है कि इस दिन स्नान, दान और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति आत्मशुद्धि प्राप्त करता है। विशेष रूप से गंगा, यमुना, नर्मदा सहित अन्य पवित्र नदियों में स्नान का इस दिन विशेष महत्व बताया गया है। यह पर्व केवल कर्मकांड तक सीमित न होकर आत्मसंयम, साधना और अंतर्मुखी जीवन की प्रेरणा देता है। शास्त्रों में उल्लेख है कि माघ मास स्वयं में पुण्यदायक होता है और जब इसमें अमावस्या का संयोग बनता है, तब इसका फल कई गुना बढ़ जाता है। पुराणों के अनुसार मौनी अमावस्या के दिन मौन व्रत रखकर भगवान विष्णु एवं भगवान शिव की पूजा करने से मनुष्य को जन्म-जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। यह तिथि तप, त्याग और संयम का प्रतीक मानी जाती है। इस अमावस्या को मौनी इसलिए भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन मौन व्रत का विशेष महत्व है। मान्यता है कि मौन धारण करने से मन की चंचलता शांत होती है और आत्मा की आवाज सुनाई देती है। ऋषि-मुनि इसे आत्मज्ञान का प्रभावी साधन मानते हैं। आज के शोर-शराबे भरे जीवन में यह व्रत व्यक्ति को मानसिक शांति और संतुलन प्रदान करता है। मौनी अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान का विशेष फल बताया गया है। प्रयागराज संगम में इस दिन लाखों श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाते हैं। मान्यता है कि इस दिन स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के समान पुण्य फल प्राप्त होता है। स्नान के पश्चात सूर्यदेव को अर्घ्य देना तथा भगवान विष्णु का स्मरण अत्यंत शुभ माना जाता है। यह तिथि पितृ तर्पण के लिए भी विशेष मानी गई है। मान्यता है कि इस दिन पितरों का तर्पण करने से वे प्रसन्न होते हैं और परिवार पर अपना आशीर्वाद बनाए रखते हैं। मौनी अमावस्या यह संदेश देती है कि कभी-कभी शब्दों से दूर रहकर भी जीवन को गहराई से समझा जा सकता है। संयम, संतोष और आत्मचिंतन ही सच्ची साधना है। मौनी अमावस्या 2026 की तिथि की शुरुआत 17 जनवरी की रात 12:07 बजे से होकर 18 जनवरी को दोपहर 1:21 बजे तक रहेगी। यह अवधि व्रत, ध्यान और साधना के लिए सर्वोत्तम मानी गई है। ज्योतिषीय दृष्टि से माघ मास की अमावस्या में चंद्रमा अंधकार में होता है जो नई शुरुआत और मानसिक उन्नति के लिए अनुकूल माना जाता है। इस दिन सूर्य और चंद्रमा की स्थिति मौन व्रत और साधना के लिए विशेष शुभ मानी जाती है। यदि जीवन में पितृ दोष के कारण बार-बार बाधाएं आ रही हों, तो माघ अमावस्या के दिन किए गए सरल उपायों से लाभ मिल सकता है। पितरों के निमित्त किए गए कर्म न केवल दोष शांति करते हैं, बल्कि सुख-समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। सुबह 5:00 से 9:00 बजे तक पितृ तर्पण करें। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पितरों के नाम से जल अर्पित करें, ॐ पितृ देव नमः" मंत्र का कम से कम 11 बार जाप करें। घर का बना भोजन गाय, कौवा, चींटी और कुत्ते को अवश्य खिलाएं। सरसों के तेल का दीपक घर की दक्षिण दिशा में जलाएं। पीपल वृक्ष के नीचे दीपक जलाकर सात परिक्रमा करें। इन उपायों से नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है तथा पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अमरकंटक में जल प्रदूषण के साथ बढ़ता प्रकाश प्रदूषण

जल और जीव दोनों पर खतरा

हरिभूमि न्यूज अनूपपूर।

पवित्र नगरी अमरकंटक में पर्यावरण और जैव विविधता मामले में पश्चिमी घाट के बाद द्वितीय नंबर पर आता था। यह 18 से अधिक छोटे बड़े जल स्त्रोतों का उद्गम स्थल रहा वर्तमान में भी नर्मदा, सोन तथा जोहिला के अलावा बैतरणी, कपिला, बाराती आदि छोटे सहायक जल स्त्रोत है जो अब लुप्त होने के कगार पर आ खड़े हैं। अमरकंटक वह स्थान है जहां देशभर से साधु-संत, योगी, सन्यासी आकर जप-तप, ध्यान, साधना करते रहे, यहां की ऊर्जा में दैवीय शक्ति से परिपूर्ण है, यहां की हवाओं में औषधीय गुण है, यहां के साल वन नर्मदा के सखा है, वनो के वन प्राणी और पक्षी नर्मदा के वन क्रीड़ा सखा हैं। किंतु विगत कुछ वर्षों से मां नर्मदा की आध्यात्मिक, भौगोलिक, पर्यावरण तथा जैव विविधता में चिंताजनक परिवर्तन देखने को मिला है यहां पर लगातार बढ़ रहे विकास कार्य, जंगलों की कटाई, आश्रमों का अतिक्रमण और पर्यटकों द्वारा किया जा रहा प्रदूषण और सामाजिक, धार्मिक तथा प्रशासनिक आयोजनों में हो रहे प्रदूषण अमरकंटक को अपवित्र नगरी बना रहे हैं अमरकंटक धार्मिक स्थल से पर्यटन स्थल बन रहा है जिसके नकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।

अत्यधिक रोशनी और डीजे लाइटों से प्रकाश प्रदूषण

अमरकंटक के साल वन और यहाँ के वन्यजीव रात के अंधेरे के अभ्यस्त हैं। लेकिन हाल के वर्षों में धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में बढ़ती चकाचौंध वाली लाइटों, लेजर शो और हाई-डेसिबल डीजे लाइटों ने यहाँ 'प्रकाश प्रदूषण' का संकट खड़ा कर दिया है। अत्यधिक कृत्रिम रोशनी के कारण निशाचर (रात में जागने वाले) जीवों और पक्षियों की जैविक घड़ी बिगड़ रही है। यही कारण है कभी पक्षियों की चहक से गुंजायमान शाम अब वीरान हो गया है। इन प्रत्येक आयोजनों में नर्मदा के दोनों तटों पर अत्यधिक तीक्ष्ण डीजे एलईडी लाइट जलीय तंत्र को भी नुकसान पहुंचा रहा है। यह प्रकाश न केवल वन्यजीवों को डरा रहा है, बल्कि यहाँ आने वाले साधु-संतों की एकाग्रता और ध्यान में भी बाधक बन रहा है।

वन रक्षक के तर्ज पर हों जल रक्षक

वनों की रक्षा के लिए जिस तरह वन रक्षक की नियुक्ति की जाती है उसी प्रकार जल संसाधन के संरक्षण के लिए जल रक्षक की नियुक्ति की जानी चाहिए जिससे ना केवल जल को दूषित होने बचाया जा सके वरन जल की गुणवत्ता सुनिश्चित किया जा सके जल स्त्रोतों के पास गाइड और जल रक्षकों की अनुपलब्धता के कारण लोग नदियों में साबुन-निरमा आदि का उपयोग कर रहे हैं, जिससे जल की शुद्धता समाप्त हो रही है। शहर के गंदी नालियां सीधे नर्मदा में मिलकर अपवित्र कर रहे हैं, नर्मदा महोत्सव का भव्य आयोजन और महाआरती जिस रामघाट में होता है, उसके मुहाने पर ही पहला नाला मिलता है जिस पर कोई भी ठोस कदम नहीं उठाया गया।

कड़े कदम उठाने की आवश्यकता

अमरकंटक की पवित्रता और इसके पारिस्थितिक तंत्र को बचाने के लिए प्रशासन को तत्काल कड़े कदम उठाने की आवश्यकता है, जिसमें मुख्य रूप से इको-सेंसिटिव जोन के नियम लागू हों, जंगलों के भीतर और नदियों के तट पर अत्यधिक रोशनी और शोर वाले आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगे, नर्मदा और वनों की सुरक्षा के लिए समर्पित 'नर्मदा रक्षक' और जल रक्षकों की नियुक्ति की जाए। पर्यटकों को यहाँ की मर्यादा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए जागरूकता सूचना प्रसारण, पोस्टर्स व सूचना बोर्ड लगाने चाहिए साथ ही कड़े नियम और जुर्माने का प्रावधान हो।

दिखावा पड़ ना जाए मंहगा

प्रणाम नर्मदा युवा संघ के अध्यक्ष डॉ विकास चंदेल ने बताया कि अमरकंटक में धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक आयोजनों मे नर्मदा के तट पर दिखावा की चकाचौंध के स्थान पर संस्कृति सौंदर्य को बढ़ाने की आवश्यकता है, विभिन्न आयोजनों में माँ नर्मदा के दोनों तटों पर डीजे और एलईडी लाइट का अत्याधिक उपयोग यहां की जैव विविधता पर नकारात्मक असर डाल रहा है, प्रशासन को चाहिए कि नर्मदा महोत्सव 2026 में इस बात बखूबी ख्याल रखा जाए समय रहते यदि हम नहीं जागे, तो अमरकंटक जैव विविधता, यहां की ये सात धाराएं और औषधीय वन केवल इतिहास के पन्नों में ही सीमित रह जाएंगे।

सरकार की प्राथमिकता गुणवत्तायुक्त शिक्षा व मूलभूत सुविधाएं- दिलीप जायसवाल

राज्यमंत्री ने 147 लाख के स्कूल भवन का किया लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कहा है कि विद्यार्थियों को विद्यालयों में सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा उन्हें गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि शासकीय हाई स्कूल भवन थानगांव का लोकार्पण किया गया है, जिसमें सभी कक्षाएं आधुनिक सुविधाओं से युक्त एवं बेहतरीन रूप से निर्मित हैं। जायसवाल ने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए उनके सपनों को नया आकार दें, ताकि विद्यार्थी बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर हो सकें। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल आज जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम थानगांव में नवनिर्मित शासकीय हाई स्कूल के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि लोक निर्माण विभाग बधाई का पात्र है, जिसने स्कूल भवन का निर्माण कार्य समय पर पूर्ण किया। अब इस भवन का उपयोग विद्यार्थियों के अध्ययन-अध्यापन के लिए किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से आहवान किया कि आधुनिकता के इस युग में विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करें, ताकि वे जिला, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकें। राज्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि वर्तमान में शासकीय विद्यालयों में निजी विद्यालयों से अधिक सुविधाएं और बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। राज्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सांदीपनीय विद्यालयों की स्थापना भी की जा रही है। महाकाल की नगरी उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण ने सांदीपनि आश्रम में शिक्षा ग्रहण की थी। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा सभी जिलों में सांदीपनि विद्यालय खोले जा रहे हैं, जहां विद्यार्थी भगवान श्रीकृष्ण की तरह विद्या अर्जन कर अपने जीवन को सार्थक बना सकें और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकें। राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने ग्राम थानगांव में 147 लाख रुपये की लागत से नव निर्मित शासकीय हाई स्कूल भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अध्यक्ष जनपद पंचायत कोतमा जीवन सिंह, जिला पंचायत सदस्य रिंकू मिश्रा, जनपद सदस्य राम खेलावन तिवारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भवन) प्रभात लोरिया, संविदाकार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, आमजन एवं बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित थे।

पुष्पराजगढ़ में वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम का आयोजन, स्वच्छता साथियों को किट वितरण

हरिभूमि न्यूज राजेंद्रग्राम।

जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ के स्व सहायता भवन में वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता साथियों को किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना एवं स्वच्छता साथियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना रहा। कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती मिथिलेश सिंह मरावी द्वारा वॉश ऑन व्हील सेवा को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्राम पंचायत स्तर पर सार्वजनिक शौचालयों एवं अन्य स्वच्छता स्थलों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य नर्मदा सिंह, जनपद उपाध्यक्ष अशोक पांडेय, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष, संतोष पांडेय, अनुविभागीय अधिकारी पुष्पराजगढ़, जनपद सीईओ गणेश पांडेय, सामाजिक न्याय अधिकारी अखिलेश अग्निहोत्री, ब्लॉक समन्वयक पुष्पेंद्र कुमार तिवारी सहित सभी सम्मानित जनपद सदस्य एवं विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुख उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता साथियों को आवश्यक किट वितरित की गई तथा उन्हें स्वच्छता कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से संपादित करने के लिए प्रेरित किया गया। वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम को सभी अतिथियों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन की दिशा में एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल बताया गया।